माछीवाड़ा में 10 गायें कटी हुई मिली, पुलिस ने 9 को बचाया

पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, हिंदू संगठनों का कड़ा रोष, गौ अंश को दफनाया गया

दीपक कुमार | माछीवाड़ा साहिब
समर न्यूज़

कल देर रात हिंदू संगठनों ने माछीवाड़ा में सरहिंद नहर के किनारे जंगल इलाके में गायों को मारकर उनका मांस तैयार करने वाले एक बूचड़खाने को पकड़ा था जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 10 कटी हुई गायों के अंग बरामद किए, जबकि 9 को मौके पर ही बचा लिया गया था। इस बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय गौ रक्षा दल के नेशनल प्रधान गुरप्रीत सिंह, पंजाब प्रधान निशांत कुमार, शिवसेना यूथ प्रधान रमन वडेरा, नेशनल प्रधान डी.डी. राणा, चंद्रशेखर, साजन, तरुण कपिल, अमित कपूर, रमन अग्रवाल, संदीप बालिया ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि सरहिंद नहर के मुश्काबाद के पास जंगल इलाके में गायों को मारकर उनका मांस तस्करी किया जा रहा है। इस बारे में उन्होंने पुलिस को सूचना दी और बूचड़खाने पर छापा मारा गया। सूचना मिलते ही डीएसपी तरलोचन सिंह, थाना मुखी पवित्र सिंह, इंस्पेक्टर हरविंदर सिंह पुलिस टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी गायों को मारकर मौके से भाग गए थे। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया कर लिया है। इस जंगल इलाके में चल रहे गैर-कानूनी बूचड़खाने का नजारा बहुत डरावना था क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गायों का मीट और उनके कंकाल बिखरे पड़े थे। इनमें से कुछ गायों का मीट तिरपाल में लपेटकर इकट्ठा किया गया था जिसे बेचने के लिए तस्करी किया जाना था। गाय संगठनों की मौजूदगी में पंडितों ने मारी गई गायों को मर्यादा अनुसार दफना दिया गया।

जंगल इलाके में गड्ढे खोदकर गायों के अंग दबा दिए जाते हैं

गाय को मारकर और मीट की तस्करी करके बूचड़खाना चलाने वाले लोगों ने इस जंगल इलाके में गड्ढे खोद रखे थे ताकि मीट के बाद उनके बचे हुए अंगों को यहां दबा दिया जाए। इतना ही नहीं, जब मरी हुई गायों को दफनाने के लिए गड्ढा खोदा गया तो मिट्टी में पहले से दफनाई गई गायों के अंग भी मिले, जिससे साफ था कि यहां पहले भी गायों को मारकर उनके अंगों को दबाया गया था। जहां गायों को मारा जा रहा था, वहां गुज्जर समुदाय का एक डेरा है जिसे उन्होंने जंगल की आड़ में बनाया है और वहां वे गैर-कानूनी काम चला रहे थे।

माछीवाड़ा इलाके में गाय काटने की तीसरी घटना

माछीवाड़ा इलाके में गाय काटने की यह तीसरी घटना सामने आई है। इससे पहले गायों को मारकर उनके अंग सरहिंद नहर में तैरते हुए मिले थे, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। कुछ महीने पहले माछीवाड़ा पुलिस ने एक बूचड़खाने का पर्दाफाश किया था और आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा था। आज यह तीसरी घटना सामने आई कि माछीवाड़ा इलाके में बीफ की तस्करी के लिए इस बूचड़खाने का पर्दाफाश हुआ है। डीएसपी तरलोचन सिंह ने बताया कि आज की घटना के संबंध में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि 9 गायों को बचाकर गौशाला भेज दिया गया है और बाकी को दफना दिया गया है। डीएसपी ने कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और बाकी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

माछीवाड़ा के जंगलों में, जहाँ गुरु साहिब ने अपने चरण पाए, वहाँ गायों का खून बहाना महापापः निशांत शर्मा

शिवसेना हिंदू के राष्ट्रीय प्रमुख निशांत शर्मा भी मौके पर पहुँचे और गायों की हत्या पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि माछीवाड़ा के जंगलों में, जहाँ दशम पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने परिवार की कुर्बानी देने के बाद माछीवाड़ा की धरती पर अपने चरण डाले, वहाँ लगातार गायों को मारना और उनका खून बहाना किसी महापाप से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और इंटेलिजेंस को इन गैर-कानूनी बूचड़खानों को चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बात की भी जाँच की जाएगी कि बीफ़ किन होटलों में सप्लाई किया जाना था, और उनके खिलाफ भी केस दर्ज किया जाना चाहिए। हिंदू नेता निशांत शर्मा ने कहा कि वह आज ही हिंदू संगठनों की एक मीटिंग बुलाएँगे जिसमें वे लगातार बढ़ रही गोहत्या की घटनाओं को रोकने के लिए संघर्ष की तैयारी करेंगे।

पति-पत्नी के बीच झड़प

चाकू से हमला, दोनों की अंतड़ियां आई बाहर

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना के हैबोवाल इलाके में एक दंपती के बीच घरेलू विवाद उस समय हिंसक रूप में बदल गया, जब पति और पत्नी ने एक-दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल लुधियाना लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत को नाजुक बताया। सिविल अस्पताल में तैनात डॉक्टरों के अनुसार, पति और पत्नी दोनों के पेट पर चाकू के गहरे घाव लगे हैं। दोनों की अंतड़ियां तक बाहर आ गई थीं। घायल दंपती के सात बच्चे हैं। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। पीड़ित दंपती की बेटी ने बताया कि वे उस समय घर से बाहर थे। सुबह उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल पति ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि उसकी पत्नी को उस पर किसी अन्य महिला के साथ संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। घटना वाले दिन इसी शक को लेकर दोनों में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई और फिर हिंसक झगड़े में बदल गई।

घटना की सूचना मिलते ही हैबोवाल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह मामला घरेलू विवाद का प्रतीत हो रहा है। दोनों घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एटीपी की सील के बाद भी बीआरएस नगर में धड़ल्ले से काम जारी, निगम दफ्तर के साए में अवैध निर्माण

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

बीआरएस नगर क्षेत्र में नगर निगम की कार्रवाई पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्लॉक 7-डी में कुछ दिन पहले एटीपी हरविंदर सिंह द्वारा जिन दुकानों को सील किया गया था, वहां असलियत कुछ और ही सामने आ रही है। बाहर से दुकानों पर सील लगी दिखाई दे रही है, लेकिन अंदर रातों-रात अवैध निर्माण का काम धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, एक दुकान में तो सील लगने के बावजूद छत में लेंटर तक डाल दिया गया है, जबकि दूसरी दुकान में लेंटर डालने की पूरी तैयारी चल रही है। हैरानी की बात यह है कि यह सब काम रात के अंधेरे में बेखौफ होकर किया गया, और किसी भी निगम अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर रोकने की जहमत नहीं उठाई। बेशर्मी की हद तब हो जाती है जब यह तथ्य सामने आता है कि इन दुकानों के पास ही नगर निगम जोन-डी का कार्यालय स्थित है। इसके बावजूद अधिकारी आंखें मूंदे हुए हैं और अनजान बनने का नाटक कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि अगर निगम कार्यालय इतने पास होने के बावजूद अवैध निर्माण नहीं दिख रहा, तो यह सीधी-सीधी लापरवाही या मिलीभगत का मामला है। सूत्रों की मानें तो इन दुकानदारों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है और निगम के कुछ अधिकारियों की मौन सहमति से यह अवैध निर्माण कराया जा रहा है। इसी कारण पहले दुकानें सील कर केवल फोटोशूट कर लिया गया और उसके बाद कोई वास्तविक निगरानी नहीं रखी गई। नतीजा यह है कि सील सिर्फ दिखावे तक सीमित रह गई है। मामले में निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। इससे निगम की कार्यशैली पर और भी सवाल खड़े हो गए हैं।

क्या कहना एटीपी का- वहीं, इस पूरे मामले पर एटीपी हरविंदर सिंह का कहना है कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है और वे कल मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि सील की गई दुकानों में निर्माण कार्य पाया गया तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि नगर निगम इस मामले में केवल बयानबाजी तक सीमित रहता है या वास्तव में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलता है। फिलहाल बीआरएस नगर के लोग निगम की निष्क्रियता से नाराज हैं और पारदर्शी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

टोल प्लाजा वर्कर यूनियन पंजाब ने किया लाडोवाल पर धरना प्रदर्शन

एमएलएफएफ और एआई आधारित टोल प्रणाली से बेरोज़गारी बढ़ने का खतरा

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

बुधवार को राज्यसभा में सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी द्वारा एक वर्ष के अंदर बहु लेन निर्बाध परिवहन (एमएलएफएफ) प्रणाली और ए आई संचालित राजमार्ग प्रणाली के विरोध में टोल प्लाजा वर्कर यूनियन पंजाब की तरफ़ से लुधियाना के लाडोवाल टोल प्लाजा पर तीन घंटे तक जाम कर धरना प्रदर्शन कर रोष मार्च निकाला।इस रोष मार्च में सैकड़ो के करीब महिलाये भी शामिल थी। धरना प्रदर्शन की अगवाई टोल प्लाजा वर्कर यूनियन पंजाब के प्रदेश प्रधान दर्शन सिंह लाड्डी ने की।

इस दौरान प्रदेश प्रधान दर्शन सिंह लाड्डी ने कहा कि एक तरफ़ देश की भाजपा सरकार बेरोजगार युवाओं को नौकरियाँ देने की बात कह रही वही टोल बूथ लैस पॉलिसी के कारण पूरे देश में 10 लाख और पंजाब में 12 से 15 हज़ार के करीब युवा टोल पर काम कर रहे लोग बेरोजगार हों जायेंगे।सरकार द्वारा बहु लेन निर्बाध परिवहन (एमएलएफएफ) प्रणाली और ए आई संचालित राजमार्ग प्रणाली लागू होने पर बेरोजगारी के कारण युवा गुमराह होकर अपराध की तरफ बढ़ेंगे। उन्होंने कह कि अगर केंद्र सरकार टोल बूथ लैस पॉलिसी को वापस नहीं लेती तो वे शहीदी दिवस के बाद पहले पंजाब फिर उसके बाद देश के प्रत्येक टोल प्लाजा पर प्रदर्शन करेंगे।अगर सरकार नहीं मानी तो उत्तरी भारत में महापंचायत के करने बाद दिल्ली के कुंडली से संसद तक पैदल मार्च कर सरकार की इस पॉलिसी का विरोध करेंगे। वही आज इस संबंध में उन्होंने एक ज्ञापन देश के सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के नाम एनएचआईए की प्रोजेक्ट मैनेजर प्रियंका मीना को सौंपा है।

लाडोवाल टोल पर प्रदर्शन करते टोल प्लाजा वर्कर यूनियन पंजाब के सदस्य।

आज इस मौके पर प्रदेश महासचिव सुखजीत सिंह, उप प्रधान हरप्रीत कौर, कैशियर रजिंदर सिंह भराज, उपप्रधान अमनदीप सिंह, कामरेड चंद्रशेखर, सचिव बच्चित्तर सिंह लाडोवाल सही सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

टोल पर प्रदर्शन के दौरान लगा कई किलोमीटर तक लंबा जाम

टोल प्लाजा वर्कर यूनियन पंजाब की तरफ़ से लाडोवाल टोल प्लाजा पर तीन घंटे प्रदर्शन के कारण हाइवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। जिसके कारण राहगीरो को काफ़ी समस्यों का सामना करना पड़ा। इस दौरान जालंधर से आने वाले वाहनों का जाम फिल्लौर तक और लुधियाना से जाने वाले वाहनों का लाडोवाल पुल तक जाम लगा रहा। पुलिस ने किसी टैग रूट डायवर्ट कर यातायात को सुचारू किया।

बुड्ढा नाला फिर से बुड्ढा दरिया बनने की राह परः सीचेवाल

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

बुड्ढा दरिया को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई कार सेवा मुहिम को एक वर्ष पूरा हो गया है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और पर्यावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने कहा कि यह अभियान कई चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन जनसहयोग से बड़े स्तर पर सफलता मिली है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जनभागीदारी के बल पर इस मुहिम का 100 प्रतिशत लक्ष्य भी हासिल किया जाएगा। 22 दिसंबर 2024 को शुरू हुई इस मुहिम की पहली वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर संत सीचेवाल ने लुधियाना वासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब लोग बुड्ढा दरिया के प्रदूषण को लेकर पहले से कहीं अधिक जागरूक हो चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने पवित्र बुड्ढा दरिया में नाव चलाकर जल की स्थिति का प्रत्यक्ष निरीक्षण भी किया।

'बुड्ढा नाला' से फिर 'बुड्ढा दरिया' बनने की ओर कदम

संत सीचेवाल ने कहा कि जिस बुड्ढा दरिया को कभी लोग "बुड्ढा नाला" कहने लगे थे, वह अब धीरे-धीरे अपने मूल स्वरूप की ओर लौट रहा है। पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों की 79 डेयरियों से निकलने वाला गोबर और गंदा पानी पूरी तरह दरिया में गिरने से रोका गया है। इसे उन्होंने अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया।

165 एमएलडी गंदा पानी अब एसटीपी तक पहुंच रहा—

उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र से निकलने वाला करीब 165 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) गंदा पानी अब सीधे दरिया में गिरने के बजाय 225 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके चलते दरिया के पानी की गुणवत्ता में साफ तौर पर सुधार देखने को मिला है।

बाढ़ से भी बचाया सफाई अभियान ने—

संत सीचेवाल ने कहा कि अगर समय रहते दरिया से छह-छह फुट तक गाद नहीं निकाली जाती, तो अगस्त में आई बाढ़ के दौरान दरिया किनारे बसे इलाकों को भारी नुकसान हो सकता था। उन्होंने संगत घाट पर पानी का टीडीएस मापते हुए बताया कि फिलहाल यह करीब 160 दर्ज किया गया है, जबकि एक साल पहले इसी स्थान पर टीडीएस 2000 से ज्यादा हुआ करता था।

चुनौतियां अभी बाकी—

हालांकि संत सीचेवाल ने यह भी माना कि अभी कई चुनौतियां शेष हैं। उन्होंने कहा कि 225 एमएलडी क्षमता वाले ट्रीटमेंट प्लांटों और 40–50 एमएलडी क्षमता की डाइंग यूनिट्स के शोधन संयंत्रों से निकलने वाला पानी अभी पूरी तरह मानकों पर खरा नहीं उतर रहा है। इसके अलावा ताजपुर डेयरी कॉम्प्लेक्स से निकलने वाले गंदे पानी का स्थायी समाधान भी अभी किया जाना बाकी है। उन्होंने दोहराया कि पानी की गुणवत्ता में बड़ा सुधार जरूर हुआ है, लेकिन बुड्ढा दरिया को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए और ठोस कदम उठाने होंगे।

दरिया फिर बनेगा आस्था का केंद्र -

वहीं लुधियाना उत्तरी से विधायक मदन लाल बग्गा ने बुड्ढा दरिया की सफाई के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बुड्ढा नाला फिर से बुड्ढा दरिया के नाम से पहचाना जाएगा और लोग इसके घाटों पर पहले की तरह धार्मिक व सांस्कृतिक गतिविधियां कर सकेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि दरिया में किसी भी तरह की गंदगी न डालें और इसे स्वच्छ रखने में सहयोग करें। इस अवसर पर पार्षद अमन बग्गा खुराना, मंजीत सिंह ढिल्लों, नीरज आहूजा, हरजिंदर सिंह बाली व अशोक कुमार मौजूद थे।

आप की नगर निगम जीत को एक साल

मेयर ने कराया सुखमनी साहिब का पाठ, मंत्री मुंडिया भी पहुंचे

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत के एक वर्ष पूरे होने पर वार्ड नंबर-13 स्थित मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर के कार्यालय में रविवार को सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन ग्रेवाल कॉलोनी (राहों रोड) में स्थित मेयर कार्यालय में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया, विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल, विधायक अशोक प्रशार पप्पी, विधायक मदन लाल बग्गा, विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, विधायक राजिंदर पाल कौर छीना, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश प्रशार, डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर सहित कई पार्षद, पार्टी वॉलंटियर्स और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मत्था टेककर शहर और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी शिरकत की और 'सरबत दा भला' की कामना की गई।

मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने कहा कि भगवान के आशीर्वाद से उनके कार्यालय को खुले एक वर्ष पूरा हो गया है और इस दौरान वे लगातार जनता की सेवा कर रही हैं। उन्होंने लोगों का विश्वास जताने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता की सेवाएं और मजबूत बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना है। मेयर ने कहा कि आने वाले समय में भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी और शहर के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 107